RK Girls' VOICE

January, 2019

Issue 3 | Shri Ratanlal Kanwarlal Patni Girls' College, Kishangarh | Newsletter

'अध्यात्म' शब्द आत्मा, मन व बुद्धि का अटूट एकाग्र संयोग है। मन जब आत्मा को बुद्धि से जोड़ने का सफल प्रयत्न करता है तब बुद्धि हमें ईश्वरीय आवेग से रू-ब-रू कराने में सार्थक मदद करती है। इसी से हमारे जीवन में आध्यात्मिक स्वरूप का दर्शन संभव हो पाता है। यदि मनुष्य अपने मन, अपनी आत्मा व बुद्धि से सकारात्मक तारतम्य बिठा लेता है तो वह निश्चित रूप से स्वयं को एक विशिष्ट शक्ति से जोड़ने में सफलता अर्जित करता है। अतः मेरा विश्वास है यदि हम हमारे विद्यार्थी जीवन से ही इस दिशा का किसी द्रष्टा से ज्ञान अर्जित करें तो लक्ष्य दूर नहीं जिसे हम चाहते हैं।

अशोक पाटनी
अध्यक्ष

'प्रबन्धन' हर क्षेत्र की आवश्यकता है। शिक्षा, चिकित्सा, कार्पोरेट हो या राजनीति समस्त स्थानों पर एक कुशल प्रबन्धन का होना जरूरी है। इससे प्रत्येक कार्य को व्यवस्थित रूप में परिणति तक सहजता से पूर्ण किया जा सकता है। मेरा विश्वास है कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने जीवन की दिनचर्या को प्रबन्धन स्वरूप में ढालकर कार्य करना चाहिए ताकि वह अपनी मंज़िल तक पहुंचने में सक्षम हो सके।

C.A.सुभाष अग्रवाल
सचिव

'प्रशासन' वह धुरी है जिससे किसी भी संस्थान के विकास का पहिया सहजता से घूर्णन करता है। इसी प्रशासन के मुखिया अर्थात् प्रशासनिक अधिकारी का दायित्व होता है कि वह शक्तियों का सन्तुलन दृढ़ रखे जिससे संस्थान का विकास अनवरत गतिशील रहे। हमारा यह प्रयास है कि हम सदैव विकास की ओर आगे बढ़ें।

डॉ. वन्दना भटनागर
प्राचार्य

पद्मश्री, कलाश्री रामचन्द्र पुल्लवर कुट्टी...

छायां कठपुतली नृत्य के माध्यम से रामायण प्रसंगों का दर्शन

'स्पिक मैके' के अन्तर्गत पद्मश्री, कलाश्री रामचन्द्र पुल्लवर कुट्टी ने छायां कठपुतली नृत्य की विशिष्ट कला के माध्यम से रामायण प्रसंगों को सुंदर, मनोरम दृष्टि से छायांकित किया। उन्होंने इस कला के संदर्भ में यह बताया कि यह कला दक्षिण भारत में वर्षों से चली आ रही प्राचीन कला है जिसके माध्यम से रामायण के विविध प्रसंगों का सहजता से छायांकन किया जाता है। इस कार्यक्रम में विशिष्ट बात यह है कि इसमें जलते हुए दीपक के माध्यम से प्रसंग की छायां तैयार की जाती है। कलाश्री रामचन्द्र पुल्लवर कुट्टी सहित संजय, राहुल, राजीव, लक्ष्मण आदि कलाकारों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस अवसर पर प्रबन्ध समिति के सचिव सुभाष अग्रवाल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें मन मस्तिष्क से इस अनुपम अद्वितीय कला को सहजने संजोने में प्रयासरत रहना चाहिए। निश्चित ही ऐसी कला एवं विशिष्टता भारत जैसे देश में ही हो सकती है क्योंकि भारत में विविध संस्कृतियों का अटूट समायोजन है।

बर्फीली वादियों में शैक्षिक भ्रमण का आनंद

अक्टूबर माह में महाविद्यालय के विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ-साथ जीवन के प्रायोगिक स्वरूप को समझने व कला संस्कृति का ज्ञान करवाने हेतु एक सप्ताहिक शैक्षिक भ्रमण रखा गया। इस भ्रमण में बालिकाओं को चण्डीगढ़, कुल्लू, अमृतसर, मनाली की बर्फीली वादियों का दृश्यावलोकन करवाया गया। उन्होंने वहाँ भी सभ्यता, संस्कृति व प्राकृतिक सुंदरता का ज्ञान अर्जित करते हुए चंडीगढ़ का रॉक गार्डन, कुल्लू में रिवर राफ्टींग, रोहतांग का हिमपात, अमृतसर का वाघा बॉर्डर, स्वर्ण मंदिर व जलियाँवाला बाग का रोमांच देखकर अभिभूत हुई साथ ही इन पलों को अपने जीवन में स्मरणीय बनाया। इस भ्रमण में प्राचार्य डॉ. वन्दना भटनागर, विश्वजीत जारोली, रवि सोनी, प्रीति सलूजा, निहारिका शर्मा, अमित दाधीच व मनीषा यादव साथ थे। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के सचिव, सुभाष अग्रवाल ने शैक्षिक भ्रमण के सफलता हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। समन्वय प्रवीण देवड़ा ने किया।

संपादकीय

समय जीवन का शाश्वत दर्पण है। उसमें वे हर क्षण समाहित हैं जो हमें हमारी सत्यता से रू-ब-रू कराते हैं। यह वाकई एक ऐसी कटु सत्त्चाई है जिससे न तो तेज भागा जा सकता है और न ही भाग्य। उसके साथ चलकर ही जीवन में सरलता, सुगमता व सफलता प्राप्त हो सकती है। आज तक का अतीत हमें ज्ञानाभास कराता रहा है कि जिसने भी समय के साथ संतुलित तारतम्य नहीं बिठाया है तब उसे समय ने कुछ ज़वाब अवश्य ही दिया है।

क्या कभी हम विचार करते हैं कि हर दिन एक नया सूर्य हमें दर्शन देता है परन्तु एक सूर्य ढल भी जाता है ? दर्शन देता सूर्य नयापन लाता है परन्तु ढला सूर्य कभी वो दिन पुन: नहीं लौटा सकता। इसलिए हर दिन की अपनी उपलब्धि होनी चाहिए। यही समय हमें भूत, वर्तमान व भविष्य प्रदान करने वाला होता है। इस सम्बन्ध में ज्ञानानुभवियों का मानना है कि जो मनुष्य समय की गोद में बैठकर साधना करता हुआ स्वयं को अनुभूत कर ले, वह अवश्य ही विश्वविजेता बनकर समाज को उत्कृष्टता की ओर ले जाता है। अत: हमें समय की महत्ता को समझकर आत्मप्रबंधन करते हुए गतिशील रहना चाहिए।

डॉ. हुकम सिंह चम्पावत
हिन्दी विभाग

संपादन

संपादक
डॉ. हुकम सिंह चम्पावत

सह-संपादक
शत्रुंजय धूपिया
निहारिका शर्मा

आरेख
मृगांक भारद्वाज

टंकण
नेहा शर्मा

प्रकाशन
अमित दाधीच

विविध धर्मों की साझा विरासत पर संवाद आवश्यक

'विविध धर्मों की साझा विरासत में समानताऐं' विषयक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया जिसके मुख्य वक्ता नचिकेता अवार्ड से सम्मानित डॉ. भरत झुनझुनवाला ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिन्दू, यहूदी, इसाई व इस्लाम धर्मों की उत्पत्ति के संदर्भ में कई प्रकार की समानताओं को देखा जा सकता है। इसे भौगोलिक, पुरातात्त्विक, स्थान, जीवन, परम्पराओं के आधार पर समझने की आवश्यकता है। उन्होंने भौगोलिक, पुरातात्त्विक व आनुभाविक आधार पर एकत्रित किए गए तथ्यों के संयोजन से इस बात पर ज़ोर दिया कि विविध धर्मों के सम्बन्ध में उपलब्ध मूल धार्मिक साहित्य में कई प्रकार की समानताओं को देखा जा सकता है। आमतौर पर धर्मों में विद्यमान विभिन्नताओं को रेखांकित किया जाता है जबकि गहनता से देखने पर पता चलता है कि इनमें समानताऐं भी विद्यमान है। इसलिए इस तरह के विषयों पर और अधिक अध्ययन किए जाने की आवश्यकता है। वर्तमान परिस्थितियों में इस साझा विरासत को गहनता से समझ कर सामाजिक और साम्प्रदायिक सद्भाव का रास्ता तैयार किया जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने राजस्थान को विशेष तौर पर रेखांकित करते हुए कहा कि राजस्थान इस साझा विरासत का आधार स्तम्भ है। इसमें पुष्कर को केन्द्रित करते हुए उन्होंने बताया कि यहाँ के धार्मिक स्थलों पर गहनता से अध्ययन किया जाना चाहिए। राजस्थान और उत्तरी गुजरात प्रमुख स्थान है जहाँ इस सांस्कृतिक साझा विरासत के तथ्य मिलते हैं। इस अवसर पर मधु झुनझुनवाला ने भी अपने विचार प्रकट किये।

महाविद्यालय में कौशल पाठ्यक्रम का शुभारंभ

देश की प्रथम राजस्थान आई.एल.डी. स्किल्स यूनिवर्सिटी से सम्बद्धता प्राप्त कौशल आधारित पाठ्यक्रमों का संचालन महाविद्यालय में किया जा रहा है। जिसमें फैशन डिजाईनिंग एवं इंटीरियर डिजाईनिंग पाठ्यक्रम प्रमुख है।

यह पाठ्क्रम 6 माह की अवधि के हैं तथा जिसे भविष्य में डिप्लोमा तथा डिग्री में बढ़ाया जा सकता है। इन पाठ्यक्रमों से निश्चित ही विद्यार्थी में नवीन कौशल स्थापित होगा एवं वह अपनी मंजिल प्राप्त कर सकेंगी।

मैनेजमेन्ट फेस्ट विद्यार्थियों की प्रथम प्रायोगिक पाठशाला है

बी.बी.ए. विभाग द्वारा आयोजित मैनेजमेन्ट फेस्ट 'प्रबन्ध एक्स्पो 2018' के मुख्य अतिथि प्रो.एम.एल.अग्रवाल, पूर्व प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय मेड़ता ने विद्यार्थियों द्वारा सुसज्जित स्टॉल्स का दृश्यावलोकन करते हुए कहा कि मैनेजमेन्ट विद्यार्थियों की यह प्रथम प्रायोगिक पाठशाला है। इससे विद्यार्थी स्वयं को व्यापार वाणिज्य के क्षेत्र से जोड़ते हुए अपना कौशल समृद्ध करता है। इस अवसर पर सचिव सुभाष अग्रवाल ने बताया कि मैनेजमेन्ट के ऐसे कार्यो से विद्यार्थियों में प्रायोगिक ज्ञान बढता है एवं वे नवीन सीख के साथ अपने प्रोडक्ट को कैसा क्षेत्र मिले, यह अनुभव प्राप्त करते हैं। मैनेजमेन्ट फेस्ट में ब्रेंड रंगोली, केरम, ट्रेजर हंट कार्पोरेट, रोड़िज, बिजनेस क्वीज आदि प्रतियोगिताओं सहित कई फास्ट फूड स्टॉल आकर्षण का केन्द्र रहे जिनका अवलोकन आर.के.परिवार से आमंत्रित ईशा पाटनी, प्रबन्ध समिति सदस्य जयश्री अग्रवाल, प्राचार्य, डॉ. सहदेव दान बारहठ, राजकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय, किशनगढ़ आदि अतिथियों ने किया। कार्यक्रम का समन्वय बी.बी.ए. की शिल्पा जोशी, सन्दीप कुमार, एवं पुनीत टांक ने किया।

32 वीं अन्तर्महाविद्यालयी लॉन टेनिस प्रतियोगिता

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर से सम्बद्ध महाविद्यालयों की 32 वीं अन्तर्महाविद्यालयी लॉन टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन महाविद्यालय में किया गया॥ इस प्रतियोगिता में पुरूष महिला सहित ग्यारह दलों ने भाग लिया जिसमें अजमेर, कोटा, टोंक, भीलवाड़ा आदि स्थानों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का समन्वय महाविद्यालय शारीरिक शिक्षक सृष्टि असाटी ने किया।

बड़े सपनों से ही बड़ी मंजिल

सत्र का शुभारंभ प्रेरक व्याख्यान से हुआ। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मोटिवेशनल स्पीकर भूपेन्द्र सिंह ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम वह सबकुछ कर सकते हैं। सोचना, सपने देखना, लक्ष्य बनाना व उसे प्राप्त करना सरल है यदि हम सोच को मजबूत बनायें। संघर्ष जीवन की दिशा होती है नहीं कि दशा एवं दिशा से ही जीवन सफल होता है। इस अवसर पर पाटनी परिवार की ईशा पाटनी एवं प्रबंध समिति के सचिव सुभाष अग्रवाल, रोटरी क्लब, लायंस क्लब, पुलक जैन मंच, भारत विकास परिषद, सेवा भारती, सखि सहेली, जैन सोश्यल ग्रुप के गणमान्य सदस्यों सहित अभिभावक मौजूद थे।

विज्ञान प्रदर्शनी वंडर हर्ट्ज़ 2018 का आयोजन

विज्ञान संकाय द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी वंडर हर्ट्ज, 2018 के दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. दिनेश चन्द शर्मा, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान ने कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी सही अर्थ में विद्यार्थी के पाठ्य ज्ञान का प्रायोगिक स्वरूप होता है जिससे वह नव अनुसंधान की ओर कदम बढ़ाता है । इसी श्रृंखला में विशिष्ट अतिथि प्रो. एस.वी. शर्मा, रिजनल इन्स्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन, अजमेर ने उद्बोधन देते हुए कहा विद्यार्थी के मस्तिष्क में किसी भी क्षेत्र को लेकर एक परिकल्पना अवश्य बनती है उसी परिकल्पना से वह अपने लघु से लघु शोध के आयाम तय करता है । प्रदर्शनी में शिरकत कर रहे प्रो. सोमेश्वर दास, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान ने विद्यार्थियों के मॉडल्स की प्रशंसा करते हुए बताया कि इस प्रकार के कार्य एक विज्ञान एवं गणित के विद्यार्थी के सामर्थ्य से परिपूर्ण होते हैं ।

इसके समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. कैलाश अग्रवाल, पूर्व विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, विशिष्ट अतिथि प्रो. एम.पी.शर्मा, पूर्व निदेशक, टी.टी.कॉलेज, उदयपुर रहे व अध्यक्षता प्रो.अनिल भंडारी, प्राचार्य, फार्मेसी कॉलेज, जोधपुर ने की । इस प्रदर्शनी में लगभग एक हजार विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। विजेता रहे प्रतिभागियों को प्रबन्ध समिति के सचिव, सुभाष अग्रवाल, प्राचार्य, डॉ. वन्दना भटनागर एवं डॉ. शैलेन्द्र पाटनी ने पुरस्कृत किया । कार्यक्रम का समन्वय विज्ञान संकाय के प्रवीण देवड़ा सहित विश्वजीत जारोली, देवश्री जैन, गीता पालीवाल, डॉ. श्रुति श्री पारीक, अस्मिता अरोड़ा, ईरम, अनुज काबरा, अमित दाधीच, रूचि चौहान, गरिमा वर्मा, रेखा शर्मा एवं शोभा कुमावत ने किया ।

आत्मविश्वास एवं जुनून से ही हिन्दी भाषा राष्ट्र भाषा

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर आमंत्रित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. लोकेश कुमार शेखावत, पूर्व कुलपति, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर ने कहा कि हिन्दी भाषा को केवल बोलना या लिखना ही नहीं बल्कि हृदयंगम करने की आवश्यकता है। इस भाषा के वर्चस्व को बनाये रखने के लिए आत्मविश्वास से सराबोर होकर अन्तर्मन से प्रयास करना चाहिए। हिन्दी भाषा से जुड़े संकट का समाधान इसे आन्तरीकृत करने और इसके लिए जुनून से ही प्रयास संभव है । आज के समय शिक्षा व्यवस्था में विश्लेषण को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, हिन्दी भाषा विद्यार्थियों को विश्लेषण का अवसर प्रदान करती है।उन्होंने इस बात पर बल देते हुए कहा हिन्दी भाषा को केवल सिद्धान्ततः नहीं व्यावहारिकता और आचरण में लाने की आवश्यकता है । इसी श्रृंखला में कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सुरेश सिंह राठौड़, सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान ने कहा कि हिन्दी दिवस, हिन्दी की उपलब्धियों को साझा करने का दिवस है।यह एक बहुआयामी और आत्मीयता की भाषा है साथ ही यह हमारी सभ्यता, संस्कृति व संस्कार की आधारशिला से युक्त एवं बृहद् सोचे तो यह भारतीयता और मानवीयता की भाषा है। अतिथियों का आभार प्राचार्य डॉ. वन्दना भटनागर एवं कार्यक्रम का समन्वय हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. हुकम सिंह चम्पावत ने किया ।

अंग्रेजी विभाग में वाद-विवाद प्रतियोगिता

अंग्रेजी विभाग द्वारा 'क्या दुनिया बेहतरीन हो रही है' विषयक वार्षिक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इसमें 17 विद्यार्थियों ने भाग लिया । कार्यक्रम संचालन अंग्रेजी विभाग की व्याख्याता, निहारिका शर्मा व अर्थशास्त्र की व्याख्याता, डॉ. राधा गुप्ता ने किया ।

भारतीय संविधान विषयक प्रश्नोत्तरी

इतिहास विभाग के व्याख्याता, सुरेश कुमार शर्मा ने संविधान दिवस पर भारत के संविधान को जानो आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जिसमें 5 दलों ने भाग लिया । सचिव व प्राचार्य ने विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए बधाई दी ।

डाटा माइनिंग लर्निंग विषयक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित डाटा माइनिंग लर्निंग विषयक कार्यशाला के मुख्य वक्ता अभिषेक कुमार पाण्डे सहायक आचार्य, आर्यभट्ट कॉलेज, अजमेर ने अपने उद्बोधन में प्रतिभागियों को बिग डाटा के क्षेत्र में रोजगार के अवसर एवं डाटा एनालिस्ट एक्सपर्ट्स के बारे में गहन जानकारी प्रदान की। साथ ही विषय विशेषज्ञ विशाल दत्त ने डाटा माइनिंग टूल 'वेका' के बारे में प्रतिभागियों को प्रायोगिक ज्ञान देते हुए टूल की उपयोगिता एवं अनुप्रयोग के बारे में अवगत कराया। प्राचार्य, डॉ. वन्दना भटनागर ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाओं, संगोष्ठियों एवं इण्डस्ट्रीयल विजिट से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है । इस कार्यशाला में किशनगढ़, अजमेर, उदयपुर सहित कई क्षेत्रों से आमंत्रित विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के सचिव सुभाष अग्रवाल ने प्रदान किये । कार्यक्रम का संयोजन विभाग के रवि सोनी, शत्रुन्जय धूपिया, आकांशा जैन एवं मृगांक भारद्वाज ने किया ।

हमारे राष्ट्र को समर्पित हो हमारा जीवन

72 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आमंत्रित मुख्य अतिथि प्रो. कैलाश अग्रवाल, पूर्व आचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय ने सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें हमारे जीवन को राष्ट्र समर्पण के रूप में रखकर जीना चाहिए। यदि हम देश सेवा का जज़्बा लेकर चलते है तो राष्ट्रनिर्माण में हमारी भूमिका अहम् बनती है। इस कर्त्तव्य में अनेक चुनौतियां होती है परन्तु हम सभी एक जुट होकर राष्ट्रीय एकता का परचम फहरा सकते है। इसी श्रृंखला में कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि डॉ. मुक्ता अग्रवाल, सह आचार्य, गृह विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देते हुए कहा कि हमारा समाज तभी सक्षम व सुदृढ़ हो सकता है जब हम बालिका शिक्षा की ओर समर्पित होकर कार्य करेंगे। इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्य महावीर कोठारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि हमें लक्ष्य प्राप्ति के लिए स्वप्न संजोना आवश्यक होता है। स्वप्न को साकार करने के लिए हमें प्रयत्नशील रहना चाहिए साथ ही महाविद्यालय में आयोजित उड़ान परीक्षा में अव्वल रहे विद्यालयी विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किये गये। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शानदार, अनुपम, अद्भुत, देशभक्ति प्रस्तुतियां दी। अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए महाविद्यालय प्रबन्ध समिति सचिव, सुभाष अग्रवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कठिन साधना करनी पड़ती है। अतः कठिनाईयों से न घबराते हुए एक सैनिक की भांति अपने प्रगति पथ पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। प्राचार्य डॉ. वन्दना भटनागर ने महाविद्यालय में संचालित नवीन पाठ्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर सुधीर जैन, सी.एम. अग्रवाल, सज्जन कटारिया, बीना कोठारी, जयश्री अग्रवाल, नीरज अजमेरा, पद्म कोठारी, सुरेश टांक, रमाकान्त मुद्गल, अरविन्द कोठारी एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थिति रहे।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान कार्यक्रम और कार्यशाला

महाविद्यालय के भूगोल विभाग में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान द्वारा आयोजित 'आऊटरिच' कार्यक्रम व कार्यशाला का संचालन किया जा गया। इसमें 15 मई, 2018 को जल मौसम विज्ञान व आपदा प्रबंधन पर कार्यशाला रखी गई जिसमें जलीय मौसम विज्ञान के खतरों एवं आपदा प्रबंधन के सम्बन्ध में अभ्यर्थियों को जानकरी प्रदान की गई। इसी श्रृंखला में 'भौगोलिक सूचना प्रणाली का जलसंसाधन में अनुप्रयोग' विषयक 31वां कार्यक्रम 16 अप्रैल से 27 अप्रैल, 2018 तक रखा गया जिसमें जल विद्युत के घटकों तथा उपग्रह और स्थलीय आधारित सुदृढ़ संवेदन एवं भौगोलिक प्रौद्योगिक के सम्बन्ध जानकारी दी गई।

34 वें कार्यक्रम ए.एम.आर.यू.टी. उपयोजना के तहत 'मास्टर प्लान फार्मुलेशन' को सक्षम करने के लिए भू-स्थानिक इनपुट, 23 जुलाई से 27 जुलाई, 2018 तक किया गया। 36वां कार्यक्रम 6 सितम्बर से 16 नवम्बर, 2018 तक आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को रिमोटसेंसिंग का अर्थ, अवलोकन, वायु मण्डलीय विज्ञान के बारे में जानकारी प्रदान की गई। पंजीकृत अभ्यर्थियों को सचिव, सुभाष अग्रवाल, प्राचार्य, डॉ. वन्दना भटनागर व उपप्राचार्य, डॉ. शैलेन्द्र पाटनी ने प्रमाण पत्र प्रदान किये। कार्यक्रम का समन्वय रोहिणी यादावर ने किया।

शोध का प्रारंभिक स्वरुप सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण

समाजशास्त्र एवं अर्थशास्त्र विभाग द्वारा हरमाड़ा गाँव का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण किया। प्राचार्य, डॉ. वन्दना भटनागर ने कहा कि सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ-साथ उससे जुड़े प्रायोगिक अनुभव प्रदान कराने के उद्देश्य से विद्यार्थियों को क्षेत्र सर्वेक्षण का अवसर प्रदान किया गया जो कि आज के बदलते दौर में अति आवश्यक है। समाजशास्त्र विभाग के डॉ. मितेश जुनेजा ने बताया कि हरमाड़ा गाँव का सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के लिए जाने से पूर्व विद्यार्थियों द्वारा साक्षात्कार अनुसूची बनाने के तरीके और उससे जुड़े विविध प्रश्नों की रचना, क्षेत्र और उससे जुड़े कथनों का निर्माण, क्षेत्र अध्ययन के समय उत्तरदाता से बातचीत करने और प्रश्न पूछने के तरीके आदि को सिखाया गया इसी आधार पर विविध समूहों के रुप में महाविद्यालय के समाजशास्त्र व अर्थशास्त्र के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने हरमाड़ा गाँव के 60 परिवारों का सामाजिक आर्थिक स्थिति जिसमें विशेष तौर पर गाँव के निवासियों की पारिवारिक स्थिति, आय, प्रमुख व्यवसाय, जाति और धर्म, संतान और उनकी शिक्षा को जानने का प्रयास किया। सामाजिक सांस्कृतिक मुद्दों में परिवार का स्वरूप और विविध सामाजिक समस्याओं के साथ-साथ भाषा, गहने, पहनावा, उत्सव और त्योहार, टेलीविजन का प्रभाव आदि को भी जाना गया। अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. राधा गुप्ता ने बताया कि इस दौरान विद्यार्थियों ने ग्रामजनों से सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों जिनमें विशेषतः भामाशाह योजना, स्वच्छता अभियान, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओ आदि के साथ अर्थव्यवस्था से जुड़े विषयों के संदर्भ में भी जागरुकता एवं अभिमत को जानने का प्रयास किया।

शिक्षा मनोविज्ञान का ज्ञान मानव व्यवहार का आधार स्तम्भ

शिक्षा संकाय बी.ए.बी.एड. व बी.एससी.बी.एड. द्वारा 'शिक्षा मनोविज्ञान मानव व्यवहार का आधार स्तम्भ' विषयक विस्तार व्याख्यान में आमंत्रित मुख्य वक्ता डॉ. राकेश कटारा, पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी, अजमेर ने अपने व्याख्यान में कहा कि शिक्षा मनोविज्ञान का ज्ञान मानव व्यवहार को समझने का आधार स्तम्भ होता है जो कि शिक्षा जगत से जुड़े शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है। साथ ही उन्होंने अधिगम पर विचार रखते हुए कहा कि मनुष्य में सीख बचपन से ही प्रारंभ होती है। परन्तु उसका विकास शनैः शनैः होता है जो कि एक निरंतर प्रक्रिया है। मनुष्य मस्तिष्क में सदैव जिज्ञासा होती है जो अनवरत सदैव सीखने के लिए प्रेरित करती है।

प्राचार्य, डॉ. वन्दना भटनागर ने अतिथियों का स्वागत किया। संकाय सदस्य रुचि चौहान व डिम्पल ज्योतियाना ने कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि हमारे विद्यार्थियों के लिए हर क्षेत्र में अधिगम आवश्यक है। अधिगम से वह अपने व्यक्तित्त्व का विकास करते है। कार्यक्रम का समन्वय संकाय की रूचि चौहान ने किया एवं अतिथियों का आभार कोमल पारीक ने किया।

उभयचर प्रजाति के संरक्षण की ओर बढ़ते कदम

प्राणि विज्ञान विभाग की ओर से जैव विविधता एवं पर्यावरणीय मुद्दे विषयक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. कैरी क्रिगर, संस्थापक सेव द फ्रॉग, यू.एस.ए. ने कहा कि आज वर्तमान समय की सबसे बड़ी चिन्ता है कि जन्तु जगत में उभयचरों की संख्या निरंतर घटती जा रही है जो खाद्य शृंखला का महत्त्वपूर्ण घटक है यदि यही स्थिति अनवरत रहती है तो निश्चित ही इस शृंखला के असंतुलन से जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इनकी संख्या में गिरावट के मुख्य कारण इनके आवास का विनाश, वनों की कटाई, आहार उपयोग एवं व्यापार आदि है। यदि इस ओर हमने संरक्षणीय कदम नहीं बढ़ाये तो अवश्य ही इसकी भारी क्षति प्रकृति को भोगनी पड़ेगी। उन्होंने बताया कि भारत में मेंढ़क की विभिन्न प्रजातियों की विविधता है इन पर अनेक नव अनुसंधान किये जा रहे हैं। उन्होंने प्रस्तुतिकरण की दृष्टि से ज्ञात कराया कि उन्होंने अब तक 76 देशों में मेंढ़कों के संरक्षण हेतु हाल ही में वें पाकिस्तान, अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान एवं भारत में विभिन्न राज्यों सहित राजस्थान में विद्यार्थियों को उभयचरों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर के पूर्व कुलपति एवं विभागाध्यक्ष प्राणी विज्ञान विभाग के प्रो. के.के.शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब भी आप कहीं नये स्थान पर जाते हैं तो जैव विविधता की दृष्टि से वहां का सूक्ष्मतम अवलोकन अवश्य करें। उन्होंने मेंढ़कों पर विस्तृत जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि वैज्ञानिकों ने मेंढ़क की त्वचा से 9 पेप्टाइडों की खोज की है जो मेंढ़क को कवक संक्रमण से बचाते हैं। ऐसे अनेक रोग हैं जिन पर प्रतिजैविकों ने कार्य करना बंद कर दिया उनके लिए नये एंटीबायोटिक्स की आवश्यकता है जिसके लिए मेंढ़क सर्वाधिक उपयुक्त जीव है। राजस्थान में वर्तमान में 13 विभिन्न प्रकार मेंढ़क पाये जाते हैं। यदि इनमें से पाँच-छः प्रजातियाँ भी विलुप्त हो जाये तो इस असंतुलन से उनसे मिलने वाली एंटीबायोटिक्स नहीं मिल पायेगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति के सचिव सुभाष अग्रवाल ने प्रो.के.के.शर्मा एवं डॉ केरी क्रिगर के जैविक शोध की प्रशंसा करते हुए कहा कि एक सच्चे अनुसंधित्सु की यह पहचान होती है कि वह सदैव एक नई खोज में गतिशील रहता है।

प्राचार्य, डॉ.वन्दना भटनागर ने कहा कि हर क्षेत्र में नवशोध की आवश्यकता है। जैवविविधता समस्यामूलक मुद्दे पर गंभीर चिंतन व मंथन से ही इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। कार्यक्रम का समन्वय प्राणिशास्त्र के विश्वजीत जारोली ने किया।

जीनियसः फिल्म समीक्षा निर्देशकः अनिल शर्मा

यह कहानी एक ऐसे अनाथ बच्चे की है जो कान्हा की नगरी वृंदावन में पला- बढ़ा हैं। वह आई.आई.टी. में प्रथम स्थान प्राप्त करता हैं, नाम वासुदेव शास्त्री। उसके प्रथम आने के कारण नंदनी एक महत्त्वाकांक्षी लड़की द्वितीय स्थान प्राप्त करती है। किंतु वासु उसे समझाता है कि ''जीवन का असली आधार तो प्रेम है रैंक में क्या रखा है''। वासु को वह लड़की प्राचीन कहकर पुकारती है तब वासु उसे संस्कृत और वेद का विज्ञान से नाता बताता है और अपना प्राचीन होना हँसते-हँसते स्वीकार कर लेता है।

वासु एक प्रतिभाशाली व्यक्ति होने के बावजूद आई.आई.टी. के चौथे वर्ष में अनुतीर्ण रहता है तथा वृंदावन वापस लौट जाता है। उसे आर.ए.डब्ल्यू., विदेशी आसूचना अभिकरण, भारत में नियुक्त किया जाता है। इस कहानी में वासु अपनी जान पर खेलकर नेताजी की गाड़ी के आगे उल्टे लगे तिरंगे को सीधा करता है। इस तरह इस कहानी में देश भक्ति का जज़्बा है, युवा पीढ़ी किस तरह देश की आतंकवादियों से सुरक्षा के लिए जागरूक है तथा जातिगत एवं धार्मिक भेदभाव को भूलकर एक साथ भारत माँ का मान बचाते है।

महत्त्वपूर्ण अंश

- जब रूबिना निकाह के दिन उठकर मिशन पर जाती है।
- जब वासु तिरंगा और अपने महिला सहयोगी की आन एक साथ बचाता है।
- जब मिथुन एक जीनीयस को परिभाषित करते हुए नवाजुद्दीन को कहता है- ''एक जीनीयस देश के लिए लड़ता है देश के खिलाफ नहीं, तुम्हारे पास माँ-बाप थे, तुमने उन्हें मार डाला जबकि वासु के पास कोई अपना नहीं था, उसने सबको अपना बना लिया''।

आफरीन खान तृतीय वर्ष, कला संकाय

ब्रेड व बिस्कुट बैकिंग वर्कशॉप

गृह विज्ञान विभाग द्वारा ब्रेड एवं बिस्कुट बैकिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें ख्यातनाम ''शैफ रईस खान'' ने ब्रेड, पाव, पिज़्ज़ा बेस, बर्गर बेस, हॉट डॉग बेस, पेटिज़, सूजी बिस्कुट, बादाम बिस्कुट, अजवाईन बिस्कुट तथा प्लम् केक बनाना सिखाया। कार्यक्रम का समन्वय गृह विज्ञान विभाग की रानी शाहिन एवं अनुराधा शेखावत ने किया।

ओढ़नी ओढू -ओढू तो उड़ जाये..........

डांडिया महोत्सव

नवरात्रि के उपलक्ष्य में डांडिया महोत्सव कार्यक्रम

कौटिल्य अर्थशास्त्र

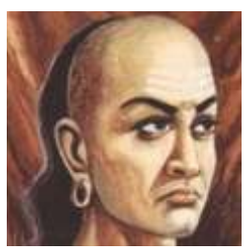

चन्द्र गुप्त मौर्य के महामंत्री चाणक्य ने उनके प्रशासकीय उपयोग के लिए अर्थशास्त्र ग्रंथ, जो कि पूर्णतः संस्कृत वाड्.मय का अद्भुत ग्रंथ है। उसी को सरल भावार्थ व सहज भाषा में डॉ. अनिल कुमार मिश्र ने ग्रंथ का संक्षिप्त रूप अपनी पुस्तक कौटिल्य अर्थशास्त्र में प्रेषित किया है। इसमें कौटिल्य का महान ग्रंथ अर्थशास्त्र से अर्थ का परिचय उसकी पृष्ठभूमि आदि का संक्षिप्तिकरण किया। कौटिल्य के ग्रंथ अर्थशास्त्र पर उठे सवालों व उसके अस्तित्व से जुड़े कथनों का उल्लेख तथ्यों के साथ लेखक ने किया है। अर्थशास्त्र की तुलना मैगस्थनीज, पतंजली आदि से की गई है राज्य के सात अंग- स्वामी, अमात्य, जनपद, दुर्ग, कोष, दंड और मित्र का कौटिल्य ने विस्तार रूप से व्याख्या की है, जो उसके शासन प्रणाली में महत्त्वपूर्ण भूमिका रखते थे। इसके साथ ही चारों वर्णों की प्रकृति, महत्त्व, उद्देश्य, कार्य का भी उल्लेख किया है। कौटिल्य ने अपनी शासन प्रणाली में राजा को राज्य चलाने के लिए धर्म का प्रयोग कपट करने के लिए व धोखाधड़ी में सहायता लेने की सलाह दी है। इसके साथ ही न्याय एवं दंड व्यवस्था का भी उल्लेख किया है।

किरण प्रजापत तृतीय वर्ष, कला संकाय

मैरीकॉम

सिमरन खान, प्रथम वर्ष, कला संकाय

खेल जगत में मैरीकॉम आज एक जाना पहचाना नाम है। महिला मुक्केबाजी में मैरीकॉम की प्रतिभा को भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया मान चुकी है। पाँच बार विश्व विजेता का पुरस्कार प्राप्त करने वाली मैरीकॉम का पूरा नाम मैंगते चंग्नेइजैंग मैरी कॉम है। इनका जन्म 1 जार्च, 1983 को मणिपुर के चुराचाँदपुर जिले के सांगा नामक स्थान पर हुआ था। इनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। इनका बचपन बड़े संघर्षो में बीता। लेकिन मैरीकॉम ने अपनी मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया कि प्रतिभा का अमीरी और गरीबी से कोई सम्बन्ध नहीं होता। कुछ करने का जज़्बा होना चाहिए सफलता मिल ही जाती हैं। उनके मन में बॉक्सिंग के प्रति आकर्षण उस समय उत्पन्न हुआ जब उन्होंने खुमान लम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में कुछ लड़कियों को बॉक्सिंग रिंग में लड़कों के साथ बॉक्सिंग करते देखा। मैरीकॉम ने वर्ष 1999 में इम्फाल के साई स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इण्डिया में खेलना शुरू किया। मात्र 16 या 17 वर्ष की उम्र में उन्होंने पढ़ाई छोड़कर पूरी तरह खेलना शुरू किया॥ जबकि उस समय राज्य में महिलाओं का बॉक्सिंग में आना शुरू भी नहीं हुआ था। हालांकि मैरी कॉम के पिता आरम्भ में उनके खेल जीवन के के विरूद्ध थे। उनके पिता को लगता था कि इन सब परिस्थितियों के बावजूद भी मैरी कॉम ने वर्ष 2001 में पहली बार नेशनल वुमन्स बॉक्सिंग चैम्पियनशीप जीती व स्वर्ण पदक प्राप्त किया। वर्ष 2003 में एशियन वुमन्स चैम्पियनशीप तथा वर्ष 2004 में ताईवान में आयोजित एशियन वुमन्स चैम्पियनशीप में मैरीकॉम ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया॥ उन्होंने ए.आई.बी.ए. वर्ल्ड चैम्पियनशीप 2005, 2006, 2008 तथा 2010 में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। मैग्निफिशेंट मैरीकॉम के नाम से विख्याल वह एकमात्र भारतीय महिला मुक्केबाज है जिन्होंने वर्ष 2012 के ओलम्पिक में कॉस्य पदक प्राप्त किया॥ यह सब कड़ी मेहनत व कड़े परिश्रम का ही फल व परिणाम है। भारत सरकार ने वर्ष 2003 में मैरीकॉम को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया। वर्ष 2013 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। अतः हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में एक बार फिर से देश का परचम लहराते हुए मुक्केबाज मैरी कॉम ने भारत को एक और गोल्ड दिला दिया है। इस तरह देखा जाए तो भारत को अब तक 18 स्वर्ण पदक प्राप्त हुए। अतः इनकी इन महान उपलब्धियों से इन्होंने भारत को गौरवान्वित किया है। मैरीकॉम समस्त भारत के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। यहाँ तक कि इनका जीवन कई उतार-चढ़ाव से भरा हुआ रहा।

उनका एकमात्र सपना है कि उनके द्वारा पूर्वोत्तर के लिए स्थापित बॉक्सिंग एकेडमी को विकसित करना। इस एकेडमी में गरीब खिलाड़ियों को निःशुल्क बॉक्सिंग सिखाई जाती है। यहाँ तक कि मैरीकॉम के जीवन पर आधारित फिल्म मैरीकॉम को ओमंग कुमार ने बनाया था। अतः मैरी कॉम ने देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी कई रिकॉर्ड बनाये और उन्होंने जल्द ही विश्वस्तर पर अपनी जीत का परचम लहराया और भारत का नाम रोशन किया। वे एक महिला होने की वजह से कई बार उन्हें बड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। लेकिन उन्होंने इस और जरा भी ध्यान न देते हुए अपना पूरा ध्यान बॉक्सिंग में लगाया व अंत में विश्वविजेता बनीं।

अतः इससे हमें यह प्रेरणा मिलती है कि अगर हम कुछ करने की ठान ले तो हमें वह पूरा करके ही रहना चाहिए। हमें अपने उद्देश्य तथा लक्ष्य के प्रति जागरूक होना चाहिए। हमें अपने कार्य के प्रति पूर्ण मेहनत व कठिन परिश्रम कर अपना अपने परिवार व अपने देश का नाम रोशन करना चाहिए।

अपना हिन्दुस्तान

कहाँ है अपना हिन्दुस्तान
मैं उसको ढूंढ रहा हूँ।
जहाँ के कृष्ण जहाँ के राम
जहाँ की श्याम सलोनी शाम
जहाँ की सुबह बनारस धाम
जहाँ भगवान करें स्नान
कहाँ है अपना हिन्दुस्तान
मैं उसको ढूंढ रहा हूँ।
जहाँ थे मोमिन, गालिब, मीर
जहाँ थे रहमत और रसखान
वो पूरा पूरा हिन्दुस्तान
कहाँ है अपना हिन्दुस्तान
मैं उसको ढूंढ रहा हूँ।

रूखसार बानो, द्वितीय वर्ष, कला संकाय

बेटियाँ

जिम्मेदारियों का बोझ परिवार पर पड़ा तो
ऑटो, रिक्शा, ट्रेन को चलाने लगी बेटियाँ।
साहस के साथ अन्तरिक्ष तक भेद डाला
सुना वायु वाहन भी उड़ाने लगी बेटियाँ।
और कितने उदाहरण ढूंढ कर लाऊं
हर क्षेत्र शक्ति आजमाने लगी बेटियाँ।
घर में बटा के हाथ रहती है मां के साथ
पिता की समस्त बाधा हरती है बेटियाँ।
प्रश्न यह ज्वलनशील सबके लिए है आज
नित प्रति कोख में क्यों मारी जाती है बेटियाँ।

दुर्गेश कंवर शेखावत, प्रथम वर्ष, कला संकाय

खबर यह भी...

- राष्ट्रीय युवा एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित 22वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में एन.एस.एस. की नेहा मालाकार एवं महिमा सिंह ने रखी भागीदारी।
- गृह विज्ञान विभाग द्वारा दीपक सजावट एव केण्डल निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन।
- राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रभारी एवं स्वयं सेविकाएं सीकर में आयोजित प्री आर.डी.केम्प में सम्मानित।
- गृह विज्ञान विभाग में ख्यातनाम शैफ रहीस खान द्वारा ब्रेड एवं बिस्किट बेकिंग वर्कशॉप का आयोजन।
- थैलेसिमिया जन-जागरूकता पखवाड़े के अन्तर्गत श्री ईश्वर पारवानी, महामंत्री, थैलेसिमिया सोसायटी द्वारा सारगर्भित व्याख्यान।
- भूगोल विभाग द्वारा भूगोल जागरुकता सप्ताह में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन।
- स्वच्छता पखवाड़े के अन्तर्गत रेल्वे स्टेशन परिसर में पौधारोपण।
- करुणा राजपुरोहित छात्रसंघ अध्यक्ष निर्वाचित।

Cryptocurrency

Barkha Rander BCA IIIrd Year

"A cryptocurrency is a digital or virtual currency designed to work as a medium of exchange. It uses cryptography to secure and verify transactions as well as to control the creation of new units of a particular cryptocurrency. Essentially, cryptocurrencies are limited entries in a database that no one can change unless specific conditions are fulfilled."

In 90's tech boom many people tried to create digital currency,with system like flooz, beenz and digicash emerging but they all inevitably failed. There were many problems faced by them and the reasons were:

- Financial inability
- Problem of coordination between employees and their bosses

The main reason behind this failure was the Third Trusted Party approach, the companies which are verified and facilitated the transaction. In this way the creation of a digital cash system did not shoot up untill 2009.

Then in 2009, 'Bitcoin' was introduced by an anonymous programmer or a group of programmers under an alias **Santoshi Nakamoto**. They authored the white paper, created and deployed bitcoin's original reference implementation. They were the first to solve the double spending problem for digital currency using a peer to peer network.

Bitcoin and other digital currencies were outlawed on November 2017 in Bangladesh, Bolivia, Ecuador, Kyrgyzstan, Vietnam along with China and Russia.However, the laws and regulations can vary drastically depending on the country.

What can you do with Cryptocurrency?

- Cryptocurrencies can be used to buy goods.
- Accepting cryptocurrencies as payment in business.
- Cryptocurrencies are high risk investment.

College Achievements

- **May 2018, Ajmer: Rajasthan Athletic District Open Tournament**
  - Kirti Munara (B.Com. P.C. Part II)- 1st Position, Gold Medal in Javelin Throw
  - Yashika Parihar (B.Con. P.C. Part II)- 1st Position, Gold Medal in Shotput Throw
- **June 2018, Udaipur: Rajasthan Athletic State Open Tournament**
  - Kirti Munara (B.Com. P.C. Part II)- 3rd Position, Bronze Medal in Javelin Throw
- **Aug 2018, Hardoi, UP: All India ICSE Championship in Football**
  - 1st Position, Gold Medal to the team: Prerna Rathore (B.C.A. Part III), Preety Shekhawat (B.Com. P.C. Part II), Aastha Sikhwal (B.Sc. M. Part II), Pinky Mangalia (B.Com H. Part III)
- **Sep 2018, Ajmer: Rajasthan Athletic Association**
  - Priyanka Chaudhary (B.Sc. Part II)- 2nd Position, Silver Medal in 100m
  - Priyanka Chaudhary (B.Sc. Part II)- 1st Position, Gold Medal in 200m
  - Jyoti Chaudhary (B.A. Part II)- 1st Position, Silver Medal in 400m; 1st Position, Gold Medal in 1500m
  - Sonu Modiwal (B.A. Part II)- 1st Position, Gold Medal in 800m; 2nd Position, Silver Medal in 200m
- **Oct 2018, Indore:** Kirti Munara (B.Com. P.C. Part II), 1st Position, Gold Medal at National Badminton Tournament
- **Oct 2018, Bhilwara: Inter-Collegiate Tournament Athletics**
  - Priyanka Chaudhary (B.Sc. Part II)- 2nd Position, Silver Medal in 100m; 1st Position, Gold Medal in 200m, 3rd Position, Bronze Medal in Relay Race
  - Aastha Sikhwal (B.Sc. M. Part II)- 3rd Position, Bronze Medal in 400x4 Relay
  - Preety Shekhawat (B.Com. P.C. Part II)- 3rd Position, Bronze Medal in 400x4 Relay
  - Bhawana Dhanaria (B.Com. P.C. Part I)- 3rd Position, Bronze Medal in 400x4 Relay
  - **Our students represented M.D.S. University at various tournaments in 2018:**
    - Prerna Rathore (B.C.A. Part III)- Selected for Inter-University Handball Tournament
    - Reena Kanwar Balawat (B.A. Part II)- Selected for Inter-University Hockey Tournament
  - Sonu Modiwal (B.A. Part II)- Selected for Inter-University Hockey Tournament

➢ **Two NSS Volunteers were selected for Pre-Republic Day Camp 2018 organized at Vishwa Bharti P.G. College, Sikar:** Neha Malakar (B.Sc. M. Part II), Mahima Singh (B.B.A. Sem IV), Neelam Hardaha (B.Com. H. Part I)

➢ **Representation at the Republic Day Parade:** Neha Malakar represented our college and state for the Republic Day parade on 26th January 2019 at Rajpath, Delhi.

➢ **Faculty Achievement:** Dr. Ruchi Mishra honoured as the best programme officer at Pre-Republic Day Parade Camp 2018, Sikar.

Glimpses...

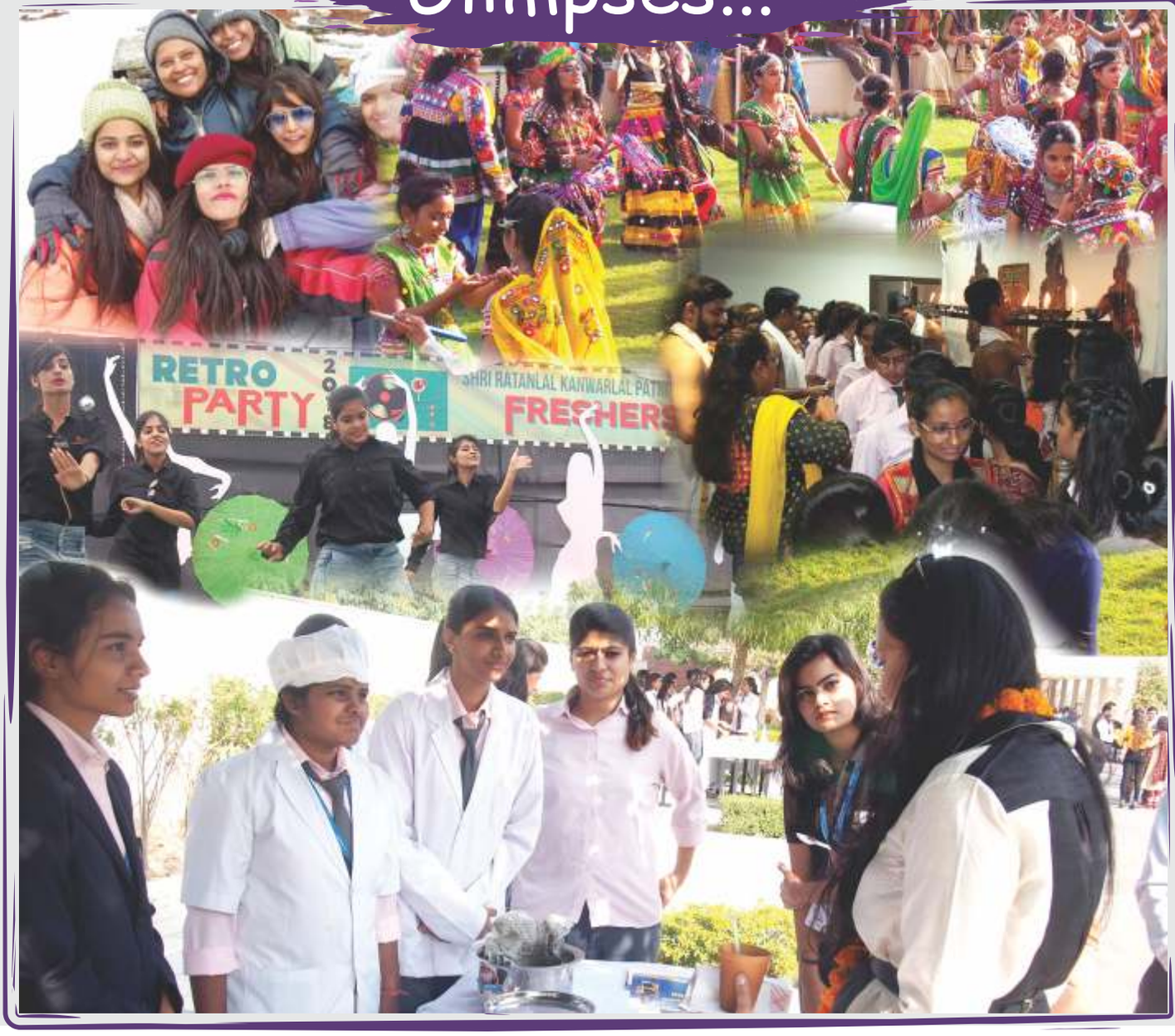

10 TIPS & TRICKS - TECHNOLOGY

1. Press “Shift” when right-clicking on a folder to get an expanded Send To menu.
2. Use “Win+Left Arrow” and “Win+Right Arrow” to dock the window to the left and right side of the screen
3. Press “Alt+Space Bar” to quickly open the menu tab for any active window.
4. In Ms-Word, use “Shift+F3” to toggle the case of selected text.
5. Use the “Alt+Print Screen” short key to take a screenshot of the current active window as opposed to just Print Screen which takes the screenshot of the entire screen.
6. Click on a tab with the middle button on your mouse to close it directly.
7. Make a GIF out of any YouTube video by just adding "gif" right before "youtube" in the URL.
8. In YouTube you can use 'J' and 'L' keys to rewind or fast forward the video, respectively; and, use 'K' to pause the video.
9. To open applications on the taskbar: Press Windows key + Sequence number of the application. Do the same to minimize/maximize it.
10. If you want to download YouTube video place ‘ss’ before that YouTube URL.

Art work created by Muskan Dassani (BCA)

Word Seeker

Find name of 10 bollywood movies

W	X	O	S	P	G	Y	Y	D	P	Y	R	F	J	E	X
I	D	B	A	S	D	W	P	M	C	I	G	S	P	K	K
U	Q	O	T	R	H	F	O	A	M	N	T	T	F	T	J
X	F	K	Y	E	A	O	G	E	R	R	C	V	Y	N	A
Y	B	V	A	R	A	A	L	U	J	I	T	M	L	V	D
R	G	J	V	J	P	U	W	A	I	R	N	C	P	E	Z
Q	I	H	N	W	M	O	W	E	Y	D	Y	D	P	R	U
B	Y	A	T	A	Z	E	V	K	E	F	E	P	A	T	V
O	T	R	C	A	A	D	Z	S	M	D	C	T	R	O	T
U	A	I	H	B	V	G	P	R	U	M	D	M	S	O	S
I	J	K	P	K	K	A	A	P	P	L	U	D	L	A	X
P	O	B	Y	N	H	L	A	L	Z	E	T	I	M	N	A
N	U	J	N	A	S	M	Q	M	O	V	O	A	G	V	J
V	Q	A	J	E	G	T	T	R	D	J	E	B	N	V	Z
G	Q	W	O	K	F	I	E	G	R	A	X	Z	I	Q	A
P	P	N	Q	P	A	Z	N	Z	R	L	P	J	G	Y	A